

भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान

डॉ. अशोक कुमार, सहायक प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हिसार, हरियाणा

सारांश

भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का महत्वपूर्ण स्थान है। यह न केवल बड़ी संख्या में जनसंख्या को रोजगार प्रदान करता है, बल्कि राष्ट्रीय आय, निर्यात और औद्योगिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस शोध लेख में, हम भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के योगदान का विस्तृत विश्लेषण करेंगे, इसके वर्तमान स्थिति पर चर्चा करेंगे, और भविष्य में इसे सुदृढ़ करने के उपायों पर विचार करेंगे।

परिचय

भारत एक कृषि प्रधान देश है जहाँ कृषि का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व रहा है। यहाँ की अर्थव्यवस्था का आधार कृषि है, जिससे न केवल ग्रामीण, बल्कि शहरी जीवन भी प्रभावित होता है। इस लेख का उद्देश्य भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण करना और इसकी समृद्धि और चुनौतियों को समझना है।

भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान

1. राष्ट्रीय आय में योगदान

सकल घरेलू उत्पाद (GDP)

कृषि क्षेत्र भारतीय सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में महत्वपूर्ण योगदान देता है। हालाँकि, यह योगदान समय के साथ घटा है, फिर भी यह अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना हुआ है।

2. रोजगार सृजन

ग्रामीण रोजगार

कृषि भारतीय ग्रामीण क्षेत्रों में प्रमुख रोजगार स्रोत है। यहाँ की बड़ी संख्या में जनसंख्या सीधे या परोक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है।

शहरी रोजगार

कृषि आधारित उद्योग, जैसे खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा, और कृषि उपकरण निर्माण, शहरी क्षेत्रों में भी रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

3. निर्यात में योगदान

कृषि उत्पादों का निर्यात

भारत कई कृषि उत्पादों का प्रमुख निर्यातक है, जैसे चावल, गेहूँ, चाय, कॉफी, मसाले, और कपास। कृषि निर्यात देश की विदेशी मुद्रा आय में महत्वपूर्ण योगदान करता है।

वैश्विक बाजार में स्थान

भारतीय कृषि उत्पादों की वैश्विक बाजार में अच्छी मांग है, जिससे देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में भारत की स्थिति सुदृढ़ होती है।

4. औद्योगिक विकास में योगदान

कच्चे माल की आपूर्ति

कृषि क्षेत्र उद्योगों के लिए कच्चे माल की आपूर्ति करता है। कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, और औषधि उद्योगों के लिए कृषि उत्पाद आवश्यक होते हैं।

कृषि आधारित उद्योग

कृषि आधारित उद्योगों का विकास कृषि क्षेत्र पर निर्भर करता है। इससे औद्योगिक विकास को गति मिलती है और ग्रामीण क्षेत्रों में भी औद्योगिक गतिविधियाँ बढ़ती हैं।

कृषि की वर्तमान स्थिति

1. तकनीकी प्रगति

हरित क्रांति

हरित क्रांति ने भारतीय कृषि में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाए, जिससे उत्पादन में वृद्धि हुई और खाद्यान्न सुरक्षा सुनिश्चित हुई।

जैविक और सतत कृषि

जैविक और सतत कृषि पद्धतियों का विकास हो रहा है, जिससे पर्यावरण संरक्षण और दीर्घकालिक कृषि प्रथाओं को बढ़ावा मिल रहा है।

2. सरकारी योजनाएँ और नीतियाँ

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY)

यह योजना सिंचाई सुविधाओं में सुधार और जल संसाधनों के उचित उपयोग के लिए शुरू की गई है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN)

इस योजना के तहत किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होता है।

3. चुनौतियाँ

जलवायु परिवर्तन

जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि उत्पादन में अस्थिरता और प्राकृतिक आपदाओं का खतरा बढ़ रहा है।

भूमि क्षरण

अत्यधिक खेती और असंतुलित खेती के कारण भूमि की उर्वरता में कमी आ रही है।

बाजार पहुँच

किसानों को अपने उत्पादों के लिए उचित बाजार नहीं मिल पाते, जिससे उन्हें उचित मूल्य नहीं मिल पाता है।

कृषि को सुदृढ़ करने के उपाय

1. तकनीकी सुधार

आधुनिक कृषि तकनीक

ड्रिप सिंचाई, सटीक कृषि, और उन्नत बीज प्रौद्योगिकी के उपयोग से उत्पादन में सुधार किया जा सकता है।

डिजिटल कृषि

डिजिटल कृषि उपकरण और मोबाइल एप्लिकेशन किसानों को बेहतर जानकारी और बाजार पहुँच प्रदान कर सकते हैं।

2. सरकारी समर्थन

नीति सुधार

कृषि नीतियों में सुधार कर किसानों को बेहतर समर्थन और संरक्षण प्रदान किया जा सकता है।

वित्तीय सहायता

कृषि के लिए उचित वित्तीय सहायता और सब्सिडी प्रदान कर किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार किया जा सकता है।

3. शिक्षा और प्रशिक्षण

कृषि शिक्षा

किसानों के लिए कृषि शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों और प्रथाओं से अवगत कराया जा सकता है।

कौशल विकास

किसानों के कौशल विकास के लिए विशेष कार्यक्रम शुरू किए जा सकते हैं, जिससे वे कृषि के साथ-साथ अन्य आय के स्रोत भी विकसित कर सकें।

4. पर्यावरणीय स्थिरता

सतत कृषि पद्धतियाँ

सतत कृषि पद्धतियों का पालन कर पर्यावरण संरक्षण और भूमि की उर्वरता को बनाए रखा जा सकता है।

जल संरक्षण

जल संरक्षण तकनीकों का उपयोग कर जल संसाधनों का उचित प्रबंधन किया जा सकता है।

निष्कर्ष

भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह न केवल रोजगार और राष्ट्रीय आय में योगदान करता है, बल्कि निर्यात और औद्योगिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हालाँकि, कृषि क्षेत्र कई चुनौतियों का सामना कर रहा है, जिन्हें तकनीकी सुधार, सरकारी समर्थन, शिक्षा, और पर्यावरणीय स्थिरता के माध्यम से संबोधित किया जा सकता है। इन उपायों से भारतीय कृषि को सुदृढ़ किया जा सकता है और यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि यह देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता रहे।

संदर्भ

- भारत सरकार. (2020). प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN).
- कृषि मंत्रालय, भारत सरकार. (2020). भारतीय कृषि की वार्षिक रिपोर्ट.
- खाद्य और कृषि संगठन (FAO). (2020). भारतीय कृषि पर रिपोर्ट.
- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR). (2020). भारतीय कृषि में अनुसंधान और विकास.